" गांधी दर्शन पर विचार संगोष्ठी का आयोजन "

शासकीय कमलादेवी राठी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.सुमन सिंह बघेल के मार्गद"ान में महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में गांधी द"ान पर बी.एससी. प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष तथा एम.एससी. रसायन"ाास्त्र विज्ञान की छात्राओं के लिए दिनांक 04 फरवरी 2019 को दोपहर 02:00 बजे से 05:00 बजे तक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया । सबसे पहले 02:00 बजे बी.एससी. प्रथम वर्ष की वीणा सिन्हा ने गांधी जी के द्वारा दाण्डी यात्रा कर नमक कानून तोड़ने के विषय में जानकारी दी गई । कु.सोनम देवांगन ने गांधी जी के द्वारा असहयोग आंदोलन के बारे में बताया । कु.पुष्पांजली साहू ने गांधी जी के द्वारा स्वच्छता अभियान की जानकारी दी गई । कु.जया पिस्दा ने कहा कि हमें सदैव गांधी जी के समान सत्य के मार्ग अनु"ारण करना चाहिए । कु.दिव्या सिन्हा ने गांधी जी के द्वारा पंचायती राज की व्यवस्था के बारे में सुझाव दिया । महाविद्यालय के प्राध्यापक आलोक कुमार जो"ाी ने गांधी जी ने करो या मरो पर प्रका"ा डाला । गांधी जी के बचपन को घटनाओं तथा ब्रम्हचर्य पर उनके प्रयोग अनुकरणी है । बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा चित्रलेखा ने गांधी जी के जीवन द"ान पर प्रका"ा डाला । कु.प्रभा ने असहयोग आदोलन के बारे में बताया। सुमन यदु ने स्वदे"ाी आंदोलन की जानकारी दी । सुधा सिन्हा ने सर्वधर्म प्राथना की जानकारी दी । कु.राधा वर्मा ने गांधी जी के समय के पालन की जानकारी दी । कु.सुरेखा ने बताया कि गांधी जी मास मंदिरा का सेवन नहीं करते थे । साधना चन्द्रवं"ाी ने साबरमती के संत तुने कर दिया कमाल गीत सुनाया । भिनिता साहू ने कहा कि हमें भी अपने कॉलेज और परिसर को साफ सुथरा रखा चाहिए । रागिनी सिन्हा ने ग्राम स्वावलम्बन के अवधारण की जानकारी दी ।बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा हंसमणी चन्द्रवं"ाी ने गांधी जी द्वारा शराब व अन्य न"ाा के खिलाफ चलाय गए अभियान की जानकारी दी । निकिता श्रीवास्तव ने बताया कि गांधी जी विरोध के लिए उपवास भी किया करते थें। कु.डेके"वरी ने बताया कि गांधी स्वस्थ्य रहने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा का पालन करते थे । कु.चम्पा ने गांधी जी के अहिंसा के सिद्धातों की जानकारी दी । कु.गरिमा ने बताया कि गांधी जी राष्ट्रीय एकता के लिए सामूहिक प्रार्थना पर जोर देते थे । कु.धागे"वरी ने गांधी जी के चरखा चलाकर स्वदे"ाी की भावना विकसित करने की जानकारी दी गई । कु.निकिता श्रीवास्तव ने कहा कि आज हमारे सामने चीन की चुनौतियां है जैसा उस समय गांधी जी ने विदे"ाी वस्तुओं के बहिष्कार का अभियान

चलाया वैसे ही हमें चोन के सामान का बहिष्कार करना चाहिए । कु.याचना यादव वैष्णव जन तेने कहिए रे जो पीर पराई जाने रे गीत सुनाया। एम.एससी. रसायन"ाास्त्र की छात्रा कु.हेमलता जगदल्ले ने ग्राम स्वराज अभियान की जानकारी दी । योगिता सोनबेर ने बताया कि गांधी जी अहिंसावादी थे और हमें भो अहिंसा के मार्ग में चलता चाहिए । टोनिका साहू ने बताया कि गांधी जी बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, बुरा मत बोलो के सिद्धांत पर चलते थे । इस कार्यक्रम में डॉ.ओंकार लाल श्रीवास्तव ने कहा कि गांधी जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणी रहा । उन्होंने राष्ट्र धर्म क पालन के लिए स्वयं का वस्त्र भी त्याग दिया था और जीवन भर युवाओं को आजादी के आंदोलन के लिए प्रेरित करते रहे । दे"ा के लाखों युवाओं के बलिदान से दे"ा स्वतंत्र हुआ । प्रो.यीष्ट देव देवांगन ने कहा कि गांधी जी स्वदे"ाी वस्तुओं के उपभोग के लिए स्वयं के वस्त्र चरखें पर बुनकर पहनते थे ताकि भारत का पैसा अंग्रेजी तक न पहुंच पाए । आज भी हमें विदे"ाी वस्तुओं का उपयोग न करके स्वदे"ाी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए । प्रो.अमित कुमार देवांगन ने कहा कि छूआ छूत को समाज की बुराई समझते थे और अस्पृ"यता निवारण क लिए उनके द्वारा बहुत काम किया गया । प्रो.प्रभात बैस ने कहा कि दे"ा की आजादी में गांधी का वि"ोष योगदान रहा उन्होंने अहिंसा के माध्यम से दे"ा को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । प्रो.वर्षा वर्मा ने कहा कि गांधी जी अपने आचरण से लोगों को दे"ा प्रेम की ि"ाक्षा देते थे ।